

बिहार प्रशासनिक सेवा संघ

प्रशासनिक सेवा भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना-800001

(पंजीयन सं.-633/2003)

Website : basabihar.in, E-mail Id : infobasa1@gmail.com

अध्यक्ष,

सुशील कुमार

मो.-9431091417

E-mail : shushilkumar09@gmail.com

महासचिव,

खुर्शीद अनवर सिद्दिकी

मो.-9771048046

E-mail : siddiquikhursheed1@gmail.com



उपाध्यक्ष,

किशोरी पासवान

कमलेश सिंह

संयुक्त सचिव

अतुल कुमार वर्मा

कुमार रविन्द्र

कोषाध्यक्ष

मिथिलेश कुमार साहु

संयुक्त कोषाध्यक्ष

मृणायक दास

क्रमांक : 39

दिनांक : 23-8-2017

सेवा में,

प्रधान सचिव,
सामान्य प्रशासन विभाग,
बिहार, पटना।

विषय :- 40वीं, 41वीं, 42वीं बेंच के पदाधिकारी को प्रथम रूपानान्तरित वित्तीय उन्नयन देने के संबंध में।

प्रसंग :- MJC- 4551/2014 in CWJC- 888/2014 में माननीय उच्च न्यायालय का आदेश दिनांक- 24.05.2017

महाशय,

उपरोक्त विषयक माननीय उच्च न्यायालय में दायर CWJC- 888/2014 में आदेश दिनांक- 06.02.2014 (प्रति संलग्न) के आलोक में सामान्य प्रशासन द्वारा निर्गत आदेश दिनांक- 04.07.2017 (प्रति संलग्न), आदेश दिनांक- 24.12.2014 (प्रति संलग्न) एवं आदेश दिनांक- 27.01.2015 (शुद्धि पत्र) (प्रति संलग्न) के आलोक में संघ का पत्र पत्रांक 11, दिनांक- 01.04.2015 (प्रति संलग्न) का स्मरण किया जाय। इस पत्र के द्वारा उपरोक्त मामले में संघ द्वारा स्पष्ट किया गया है कि 41वीं बेंच के पदाधिकारियों की सेवा में योगदान मार्च 1999 एवं 42वीं बेंच के पदाधिकारियों की सेवा में योगदान अक्टूबर 2000 का है। इन बेंच के पदाधिकारियों की सेवा में 4 वर्ष की अवधि क्रमशः मार्च, 2003 एवं अक्टूबर, 2004 होता है और 4 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के आधार बनाकर यदि PB.2 ग्रेड पे-5400 से PB.3 ग्रेड पे-5400 में उत्क्रमण दिया जाना है तो इस बेंच के पदाधिकारियों को क्रमशः मार्च 2003 एवं अक्टूबर, 2004 से दिया जाना चाहिए। फिर किस आधार पर पुराने वेतनमान से पुनरीक्षित वेतन में वेतन निर्धारण की तिथि को (छठा वेतन पुनरीक्षण के फलस्वरूप) को पहला वित्तीय उन्नयन परिभाषित

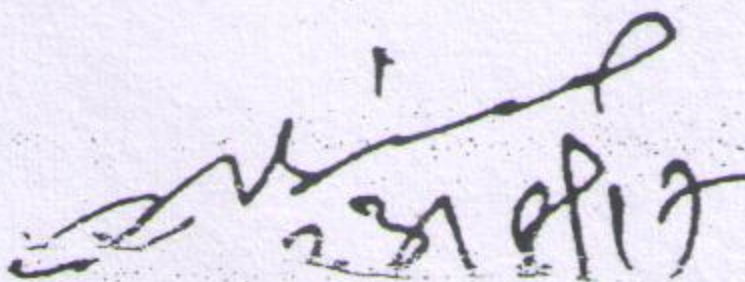
9/9/17

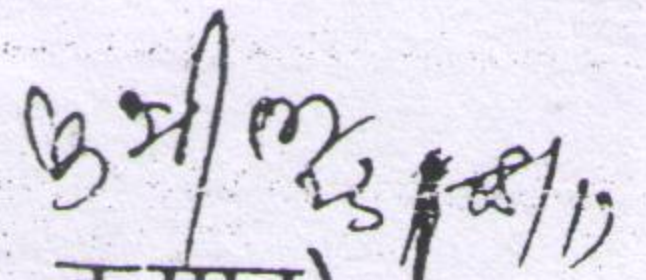
किया जा सकता है। यहां पुनः संघ स्पष्ट करना चाहेगी कि दिनांक- 01.01.2006 को निर्धारित किया गया वेतन केवल पुराने वेतनमान का नया पुनरीक्षित वेतन है न कि कोई वेतन उन्नयन।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 40वीं बेंच के पदाधिकारियों को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रासंगिक आदेश की कंडिका-6 के शुद्धि पत्र (पत्रांक-1603, दिनांक- 29.01.2015) प्रति संलग्न द्वारा ए0सी0पी0 नियमावली, 2003 के निरसन की तिथि 13.07.2010 तक एक ही वेतनमान में सेवा अवधि का 12 वर्ष पूर्ण हो जाने के फलस्वरूप प्रथम वित्तीय उन्नयन (अपुनरीक्षित वेतनमान-10000-15200) पुनरीक्षित वेतन बैंड- पी0बी0-3, ग्रेड पे-6600 में अनुमान्य किया गया है। स्पष्ट है कि सामान्य प्रशासन विभाग स्वयं इस तथ्य को स्वीकार करता है कि उक्त तिथि (13.07.10) तक इस बेंच के पदाधिकारी एक ही वेतनमान में कार्यरत थे। अर्थात् दिनांक- 01.01.2009 को भी ये सभी पदाधिकारी अपनी सेवा में पहले योगदान की तिथि से एक ही वेतनमान में कार्यरत थे यह तथ्य भी सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा स्वीकार किया गया है। ऐसी परिस्थिति में 01.01.2009 से एम0ए0सी0पी0 योजना के प्रभावी हो जाने के फलस्वरूप इस बेंच में कार्यरत रहने के कारण दिनांक- 01.01.2009 से ही प्रथम वित्तीय उन्नयन देय हो जाता है न कि ए0सी0पी0 नियमावली, 2003 के तहत 12 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण होने पर।

माननीय उच्च न्यायालय द्वारा **MJC- 4551/2014 in CWJC- 888/2014** में दिनांक- 24.05.2017 को आदेश दिया है कि **"In case the petitioners have any grievance still subsisting with regard to the manner in which consideration is made and benefit granted to them, they will have the liberty to initiate appropriate proceeding afresh in accordance with law"**.

संघ का अनुरोध है कि संघ के पत्रांक 11, दिनांक- 01.04.2015 पर विचार करते हुए 40वीं बेंच के साथ 41वीं एवं 42वीं बेंच के पदाधिकारी, जो दिनांक- 01.01.2006 से पूर्व ही चार वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण कर चुके हैं, को एम0ए0सी0पी0, 2010 के लागू होने की तिथि 01.01.2009 या उसके बाद की तिथि जब से इन बेंच के पदाधिकारियों की सेवा अवधि एक ही वेतनमान में कार्य करते हुए 10 वर्ष पूर्ण हो जाती है, को ग्रेड पे-6600 में प्रथम वित्तीय उन्नयन की स्वीकृत दी जाय। अन्यथा बाध्य होकर माननीय उच्च न्यायालय में संघ द्वारा वाद दायर किया जायेगा।


(खुशीद अनवर सिद्दिकी)
महासचिव


(सुशील कुमार)
अध्यक्ष

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Civil Writ Jurisdiction Case No.888 of 2014

1. Bihar Administrative Service Association Through General Secretary
Sushil Kumar Son Of Late Raghunath Prasad, H.O. Office At
Administrative Service Building (Basa Bhawan), Jawahar Lal Nehru Marg,
Patna - 1

Versus Petitioner/s

1. The State Of Bihar through the Chief Secretary, Govt. Of Bihar, Patna
2. The Principal Secretary, Finance Department, Govt. Of Bihar, Patna
3. The Principal Secretary, General Administration Department, Govt. Of
Bihar, Patna

..... Respondent/s

Appearance :

For the Petitioner/s : Mr. Abhay Shankar Singh, Adv.
For the Respondent/s : Mr. Niraj Kumar, AC to GA-13.

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE JAYANANDAN SINGH
ORAL ORDER

2 06-02-2014

This application has been preferred by the Bihar Administrative Service Association for a direction to the respondents to allow its members also the benefits of Modified Assured Career Progression (MACP) Scheme 2010 in the manner it has been allowed to other premier services of the State like Bihar Police Service, Bihar Veterinary Service, Bihar Finance Service and State Commercial Taxes Services, vide notifications, as contained in Annexure- 4 series, 5, 8 series and 9 series. However, learned counsel for the petitioner accepts that, till now, no adverse decision has been taken by the respondents to give a cause of action for adjudication before this Court. He submits that the petitioner-Association has filed representations before the

GOVT. OF BIHAR
REGISTRATION, EXCISE & PROHIBITION DEPT.
PATNA SCORE PATNA

COUKI FEE

STAMP DUTY

00000

375464

BIHAR

9245

9245

10

Principal Secretaries of Finance Department and of General Administration Department, first of which is Annexure-3 dated 26.7.2012. However, he submits that, till now, the representations have remained pending with them.

Since the respondents have not taken a final decision in the matter, either way, pendency of this application is not going to serve any useful purpose. Hence, this Court is of the view that, at the first instance, the respondents should be directed to consider the representation of the petitioner-Association and take a final decision in the matter, either way, in accordance with law within a reasonable time.

This writ application is accordingly disposed of with a direction to the respondent nos. 2 and 3 to ensure that a final decision, either way, is taken on the representation of the petitioner-Association for grant of benefits of the said Scheme to its members, preferably within three months from the date of receipt/production of a copy of this order.

Sd/-
(Jayanandan Singh, J)

Arvi/-

COPYING

TO BE TRUE PHOTO COPY
AKR
14.2.14
For Joint Registrar (A)
Patna High Court
Authorised U/S 76 Act of 1973
Rakesh Kumar
ASO
14/02/2014

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Miscellaneous Jurisdiction Case No.4551 of 2014

In
Civil Writ Jurisdiction Case No. 888 of 2014

1. Bihar Administrative Service Association through its General Secretary
Sushil Kumar. Son of Late Raghunath Prasad, having office at
Administrative Service Building (BASA Bhawan), Jawahar Lal Nehru
Marg, Patna - 1.

.... Petitioner/s

Versus

1. The State of Bihar through the Chief Secretary, Govt. of Bihar, Patna,
namely Mr. A.K. Singh. Son of not known.
2. Mr. Rameshwar Singh. Son of Not Known, the Principal Secretary,
Finance Department, Govt. of Bihar, Patna.
3. Dr. D.S. Gangwar. Son of not known, the Principal Secretary, General
Administration Department, Govt. of Bihar, Patna.

.... Respondent/s

Appearance :

For the Petitioner/s : Mr. Abhay Shankar Singh, Advocate
Mr. Amit Kumar Mishra, Advocate
For the Respondent/s : Mr. Shashi Shekhar Pd. Sinha, AC to GA-6

CORAM: HONOURABLE THE CHIEF JUSTICE
ORAL ORDER

3 24-05-2017

In view of the order passed by the respondents as
Annexure-A series dated 24.12.2014 deciding the claim of the
petitioners with regard to grant of A.C.P., now no further action
is required to be taken in the present matter.

In case the petitioners have any grievance still
subsisting with regard to the manner in which consideration is
made and benefit granted to them, they will have the liberty to



initiate appropriate proceedings afresh in accordance with law.

With the aforesaid liberty, this contempt application stands disposed of.

(Rajendra Menon, CJ)

K.C.jha/-

U			
---	--	--	--

